UP Board Solutions for Class 6 History Chapter 9 गुप्तकाल

अभ्यास

प्रश्न 1.
गुप्तवंश के शासकों ने कितने वर्षों तक शासन किया ?
उत्तर :
गुप्त वंश के शासकों ने लगभग 200 वर्षों तक शासन किया।

प्रश्न 2.
समुद्रगुप्त के विजय अभियान को किसने लिखा ?
उत्तर :
समुद्रगुप्त के विजय अभियान को उसके दरबारी कवि हरिषेण ने इलाहाबाद के अशोक स्तम्भ पर खुदवाया, जिसे प्रयाग प्रशस्ति के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न 3.
गुप्तकाल में कला एवं विज्ञान की उन्नति का उल्लेख करिए।
उत्तर :
गुप्तकाल में कला के क्षेत्र में भारत ने बहुत उन्नति की। अनेक देवी-देवताओं की मूर्तियाँ तथा मन्दिर बनाए गए। वे मन्दिर अजन्ता और एलोरा की तरह पहाड़ियों को काटेकर नहीं बनाए गए थे बल्कि इन्हें ईंटें और पत्थर जैसी चीजों से बनाया गया। बौद्ध विहारों में भी सुन्दर मूर्तियों का निर्माण हुआ। गुप्तकाल में वाराणसी के निकट सारनाथ में एक विशाल बौद्ध विहार था। यहाँ से बुद्ध की प्रस्तर मूर्तियाँ मिली हैं। बौद्ध विहारों और हिन्दू मन्दिरों को अनेक सुन्दर चित्रों से सजाया गया। बौद्ध विहारों की चित्रकला उच्चकोटि की थी। चित्र इतने उत्तम थे कि उन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे आज ही बने हों।

गुप्तकाल में विज्ञान के क्षेत्र में भी काफी उन्नति हुई। आर्यभट्ट और वराहमिहिर इस काल के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे। दोनों ही ज्योतिष तथा गणित में प्रवीण थे। आर्यभट्ट ने यह स्पष्ट किया कि पृथ्वी गोल है। और वह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है।

प्रश्न 4.
गुप्तकाल को भारत का स्वर्णयुग क्यों कहते हैं ? स्पष्ट करिए।
उत्तर :
गुप्त सम्राटों ने विशाल साम्राज्य स्थापित कर केन्द्रीय शक्ति को दृढ़ किया और श्रेष्ठ शासन प्रबन्ध द्वारा शांति स्थापित की। यह शासन व्यवस्था मौर्य कालीन तीन स्तरीय-स्थानीय, प्रान्तीय व केन्द्रीय से मिलती-जुलती थी। इस काल में साहित्य, कला, धर्म व संस्कृति का उल्लेखनीय विकास हुआ। गुप्तकाल में उद्योग धन्धे, व्यापार तथा वाणिज्य में अत्यधिक प्रगति हुई व्यापारिक संगठनों द्वारा विदेशों से व्यापार उन्नत दशा में था। पाटलिपुत्र, वैशाली व उज्जैनी समृद्ध नगर थे। देश धनधान्य से पूर्ण था। इस कारण गुप्तकाल को स्वर्णयुग कहते हैं।

प्रश्न 5.
फाह्यान कौन था ? उसने तत्कालीन भारत के विषय में क्या लिखा ?
उत्तर :
फाह्यान एक चीनी यात्री था, जो 399 ई० में बौद्ध धर्म का ज्ञान प्राप्त करने के लिए चीन से रवाना होकर गोवी रेगिस्तान और मध्य एशिया को पार करके भारत पहुँचा। उसने तत्कालीन (गुप्तकालीन) भारतीय समाज के बारे में लिखा है कि समाज कई जातियों में बँटा हुआ था। सभी जातियों के लोग मिल-जुलकर रहते थे। नगरों में अछूतों के वर्गों से लोग घृणा करते थे उन्हें बाकी नगर से दूर जाकर रहना पड़ता था। उच्च जातियों के लोग उनकी ओर देखना भी ठीक नहीं समझते थे। गुप्तकालीन समाज की यह बात सबसे बुरी थी।

प्रश्न 6.
गुप्त शासकों ने अपने साम्राज्य को बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए ?
उत्तर :
संमुद्रगुप्त के बाद उसका पुत्र चन्द्रगुप्त द्वितीय 380 ई० में गद्दी पर बैठा। उसने मालवा और गुजरात के शक शासकों को हराया। इससे उसे पश्चिमी समुद्री बन्दरगाह मिल गया। इसके बाद उसने 'शकारि' या चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की उपाधि धारण की। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए उसने वाकाटक वंश के रुद्रसेन द्वितीय के साथ अपनी पुत्री प्रभावती का विवाह कर दिया।

प्रश्न 7.
सही मिलान कीजिए –
उत्तर :

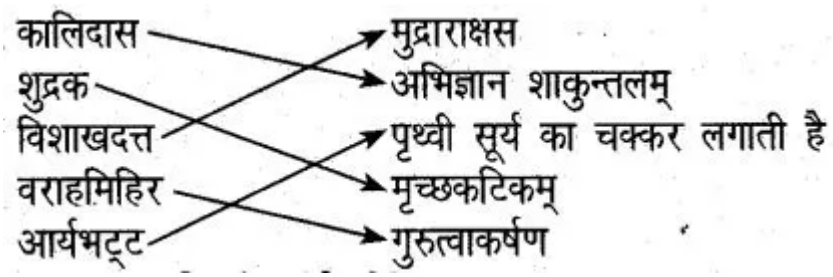

प्रश्न 8.
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) भारत का नेपोलियन **समुद्रगुप्त** को कहा जाता है।
(ख) स्कन्दगुप्त ने **सुदर्शन** झील का जीर्णोद्धार कराया।
(ग) गुप्त संवतू का प्रारम्भ **319-20** ई० से होता है।
(ङ) गुप्तवंश के पहले शासक **श्रीगुप्त** थे।

https://www.evidyarthi.in/